हरमन, दीप्ति ने भारत को बनाया अजेय



वडोदरा (एजेन्सियां)। प्लेयर आफ द मैच हरमनप्रीत कौर (१२६) के आक्रामक शतक, दीप्ति शर्मा (१०६, ३-३२) के हरफनमौला खेल और दोनों के बीच छठें विकेट के लिए की गयी १५३ रन की शतकीय साझेदारी के बाद वैष्णवी शर्मा (४-३९) की फिरकी के जादू से भारत ने रविवार को यहां जिम्बाब्वे को दूसरे महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में १२१ रन से हराकर तीन मैच की शृंखला में २-० की अजेय बढ़त हासिल कर ली। भारत के ५० ओवर में छह विकेट पर ३२८ रन के सामने जिम्बाब्वे की टीम ४८.५ ओवर में २०७ रन पर सिमट गयी। लक्ष्य का पीछा करने उतरे जिम्बाब्वे ने शुरुआती १० ओवर में लारिन फिरी (छह) का विकेट गंवाकर ४७ रन बनाकर सतर्क शुरुआत की। फिरी को नौवें ओवर में श्री चरणी ने मिडविकेट पर शेफाली वर्मा के हाथों कैच कराया। मुपाचिकवा हालांकि अच्छी लय में नजर आयी। उन्होंने सयाली सतघरे की पारी की शुरुआती दो गेंद पर चौका मारा और फिर जिंतिमणि कलीता पर भी लगातार दो चौके मारे। तिरिपानो ने आते ही दीप्ति पर दो चौके मारे और फिर १३वें ओवर में श्री चरणी पर भी तीन चौके मारे। मुपाचिकवा ने वैष्णवी शर्मा पर चौके के साथ १९वें ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा किया। सतघरे ने तिरिपानो को बोल्ड करके इस साझेदारी को तोड़ा। उन्होंने ५७ गेंद में ४६ रन की पारी में सात चौके लगाये। वैष्णवी ने इसके बाद मुपाचिकवा (४९) को स्थानापन्न खिलाड़ी हरलीन देओल के हाथों कैच कराके अपना पहला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विकेट हासिल किया। वैष्णवी ने इसके बाद बिजा (३४) को भी बोल्ड करके जिम्बाब्वे को चौथा झटका दिया और फिर मिशेल मावुंगा (तीन) को भी बोल्ड किया। जिम्बाब्वे को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए १५६ रन की दरकार थी लेकिन टीम इस स्कोर के करीब भी नहीं पहुंच सकी। वैष्णवी ने जोसेफिन एनकोमो (२२) को पगबाधा करके अपना चौथा विकेट हासिल किया जबकि दीप्ति ने नयाशा ग्वानजुरा (२०), नोमवेलो सिबांडा (शून्य) और तेंडाई माकुशा (शून्य) को पवेलियन भेजा।इससे पहले टास जीत कर पहले बल्लेबीजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान स्मृति मंधाना (शून्य) और शेफाली वर्मा (आठ) सस्ते में पवेलियन लौट गयी। नवनियुक्त कप्तान स्मृति मैच के पहले ओवर में पुल शाट खेलने के प्रयास में अपना विकेट गंवा बैठीं जबकि शेफाली ने मिडविकेट पर नयाशा ग्वानजुरा को कैच थमाया। दोनों विकेट नोमवेलो सिबांडा के खाते में गये। भारत का स्कोर दो विकेट पर १९ रन हो गया। इसके बाद सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल (६७ गेंद में ६१ रन) और हरमनप्रीत ने तीसरे विकेट के लिए १२४ रन की साझेदारी करके पारी को संभाला। शानदार फार्म में चल रहीं भारतीय सलामी बल्लेबाज प्रतिका २३वें ओवर में ग्वानजुरा की गेंद पर डीप मिडविकेट पर बिलब्ड बिजा को कैच कैच दे बैठीं। रावल ने आउट होने से पहले ६१ गेंद में चार चौके और दो छक्के की मदद से ६७ रन बनाये। टीम संकट से उबर चुकी थी ऐसे में उम्मीद थी कि तेजल हसबनीस के बल्ले से भी अच्छी पारी देखने को मिलेगी लेकिन वे निराश कर गयी और केवल तीन रन बनाने के बाद ओलिंडर चेयर की गेंद पर स्लाग स्वीप खेलने की कोशिश में मिशेल नावुंगा के हाथों लपकी गयी।



इसके बाद २२ गज की पट्टी पर पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर का राज हो गया और उन्होंने अपनी बेहतरीन और संतुलित पारी से मैच पर नियंत्रण बना लिया। हालांकि उन्हें किस्मत का भी साथ मिला और तीन बार उनके कैच छूटे। उन्होंने जिम्बाब्वे की गेंदबाजों का दिलेरी से सामना करते हुए गेंद को सीमारेखा के पार भेजना शुरू किया और तेजी से अपने खाते में रन जोड़ते हुए शतक पूरा कर लिया यह हरमनप्रीत का आठवां एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय शतक था। ऐसा लग रहा है कि कप्तानी की अतिरिक्त जिम्मेदारी से मुक्त होने के बाद वह अपने खेल का भरपूर आनंद ले रही हैं। फिनिशर ऋचा घोष (सात) ज्यादा देर तक क्रीज पर नहीं टिक सकीं जिससे रन गति पर अंकुश लगा। भारत को हरमनप्रीत के साथ लंबी साझेदारी की जरूरत थी। ऐसे में दीप्ति ने इसे अंजाम दिया। दीप्ति ने विकेट बचाने के साथ रन गति बनाये रखी। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए १३७ गेंदों पर १५३ रन जोड़े। दीप्तिने ३७ गेंद में अर्द्धशतक पूरा किया और पारी के अंतिम ओवर में स्क्वायर लेग की दिशा में चौका लगाकर अपना दूसरा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय शतक पूरा किया। उन्होंने ८६ गेंद की अपनी पारी में १५ चौके लगाए और १०६ रन बनाये। हरमनप्रीत अंतत: मावुंगा की गेंद पर स्थानापन्न खिलाड़ी कुडजाइ चिगोरा के हाथों लपकी गयी। हरमनप्रीत ने १२१ गेंद में १५ चौके की सहायता से १२६ रन बनाये। भारत ने आखिरी १० ओवर में ७२ रन बनाये जिससे भारत का स्कोर ५० ओवर में छह विकेट पर ३२८ रन हो गया। नोमवेलो सिबांडा ने दो विकेट हासिल किये।



प्रथम चोला चेस ओपन इंटरनेशनल ग्रैंडमास्टर्स शतरंज 30 से

चेन्नई। चोला फाउंडेशन आगामी 30 अक्टूबर से 7 नवंबर तक आईटीसी यहां प्रथम चोला चेस ओपन इंटरनेशनल ग्रैंडमास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट 2026 का आयोजन करेगा। यह एक फिडे रेटेड टूर्नामेंट होगा जिसमें 80 खिलाड़ी भाग लेंगे, जिनमें 20 भारतीय ग्रैंडमास्टर और 12 विदेशी ग्रैंडमास्टर सहित कुल कम से कम 32 ग्रैंडमास्टर शामिल हैं। हर प्रतिभागी की फिडे रेटिंग 2250 या उससे अधिक है, जिसमें 80 में से 75 खिलाड़ी फिडे टाइटल धारक हैं। लगभग 2400 एलो की औसत रेटिंग के साथ यह टूर्नामेंट भारत में आयोजित सबसे मजबूत ओपन शतरंज प्रतियोगिताओं में से एक माना जा रहा है। इस टूर्नामेंट में 12 शतरंज फेडरेशन के खिलाड़ी भाग लेंगे, जिनमें 20 से 24 खिलाड़ी भारत के बाहर के फेडरेशन का प्रतिनिधित्व करेंगे, जिससे भारतीय खिलाड़ियों को एक ही ओपन इवेंट में अंतरराष्ट्रीय विरोधियों के खिलाफ खेलने का दुर्लभ अवसर मिलेगा। कम से कम 32 ग्रैंडमास्टर्स की मौजूदगी भारत में शतरंज की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय अपील को दर्शाती है। यह टूर्नामेंट खिलाड़ियों को ग्रैंडमास्टर, इंटरनेशनल मास्टर, वुमन ग्रैंडमास्टर और वुमन इंटरनेशनल मास्टर नॉर्म्स अर्जित करने का अवसर भी प्रदान करेगा। फिडे के नियमों के अनुसार नॉर्म्स के लिए फेडरेशन के मिश्रण और प्रतिद्वंद्वियों की टाइटल और रेटिंग की आवश्यकता होती है, इसलिए विदेशी भागीदारी और उच्च औसत रेटिंग वाला यह टूर्नामेंट नॉर्म्स की चाह रखने वाले खिलाड़ियों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

आईपीएल पर फैसला दिसम्बर में-धोनी

बेंगलूरु (एजेन्सियां)। पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी ने आईपीएल में अपने भविष्य को लेकर कहा कि वे दिसम्बर से पहले फैसला लेंगे। यह मेडिकल टेस्ट से ही यह पता चलेगा कि वह एक और सीजन खेल पाएंगे या नहीं। ४५ साल के धोनी पिछले सीजन में पिंडली की समस्या के कारण पूरा आईपीएल नहीं खेल सके थे। उनकी गैरमौजूदगी में चेन्नई की टीम प्लेआफ में जगह नहीं बना पाई। पूर्व कप्तान ने अपनी फिटनेस की पूरी जिम्मेदारी डाक्टरों पर डाल दी। उन्होंने कहा कि डाक्टरों को यह तय करना होगा कि वे आईपीएल के एक और साल की चुनौती झेलने के लिए फिट रहें। धोनी ने कहा अगर मैं फिट नहीं हूं, तो आपको यह निश्चित करना होगा कि आप मेरे साथ सब कुछ सही करें। आपको यह भी देखना होगा कि यह पुरानी विंटेज गाड़ी सड़क पर ठीक से चलती रहे।

वह बिन पानी मछली की तरह था

वैभव सूर्यवंशी को नंबर तीन पर देख भड़के अश्विन और कार्तिक

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। भारतीय टीम ने न्यूजीलैण्ड के खिलाफ दूसरे टी-२० मुकाबले में जीत जरूर दर्ज की लेकिन युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बल्लेबाजी क्रम चर्चा का विषय बन गया। चोटिल ईशान किशन की जगह अन्तिम एकादश में शामिल किये गयेए वैभव को ओपनिंग के बजाय नंबर तीन पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया। वह आठ गेंदों पर चार रन बनाकर आउट हो गये। इसके बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटरों ने मुख्य कोच गौतम गंभीर और टीम मैनेजमेंट की रणनीति पर सवाल उठाये। पूर्व भारतीय स्पिनर मुरली कार्तिक ने कहा कि वैभव को उस क्रम पर खिलाना चाहिए जहां वह अपना स्वाभाविक खेल दिखा सकते हैं। उन्होंने कहा कि वैभव एक ओपनर हैं और उन्होंने अब तक इसी भूमिका में ज्यादा बल्लेबाजी की है। कार्तिक के मुताबिक अगर टीम मैनेजमेंट वैभव को अन्तिम एकादश में शामिल करने का फैसला करता है तो उसे उनकी भूमिका के हिसाब से बल्लेबाजी क्रम में जगह भी देनी चाहिए थी। उन्होंने अनुभवी बल्लेबाज संजू सैमसन का उदाहरण देते हुए कहा कि सीनियर खिलाड़ियों को टीम की जरूरत के हिसाब से अलग-अलग नंबरों पर खेलने के लिए तैयार रहना चाहिए।



कार्तिक का सुझाव था कि संजू नंबर-तीन पर उतर सकते थे और वैभव को ओपनिंग का मौका दिया जा सकता था। रविचंद्रन अश्विन ने वैभव के प्रदर्शन को फिश आउट आफ वाटर यानी पानी से बाहर मछली जैसी स्थिति बताया। अश्विन के अनुसार नंबर-तीन पर आकर वैभव सहज नहीं दिखे और गेंद को सही टाइमिंग से खेलने में संघर्ष करते नजर आए। अश्विन ने कहा कि ऐसी परिस्थिति में किसी अनुभवी साथी को युवा बल्लेबाज के पास जाकर उसे शांत रहने और गेंद पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह देनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि छठे ओवर में बल्लेबाजी के लिए आना वैभव के स्वाभाविक खेल के अनुकूल नहीं लगा। अश्विन ने टीम मैनेजमेंट को यह विकल्प भी सुझाया कि अगर वैभव, अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन तीनों को एक साथ खिलाना है तो संजू को तीसरे नंबर पर उतारने पर विचार किया जा सकता है। गौतम गंभीर की रणनीति में बल्लेबाजी क्रम में लचीलापन अहम रहा है।

युकी को युगल खिताब

अल्माटी। भारत के युकी भांबरी ने अमेरिका के अपने जोड़ीदार रयान सेगरमैन के साथ मिलकर रविवार को यहां अल्माटी ओपन एटीपी २५० टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष युगल का खिताब जीत लिया। भारत और अमेरिका की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने आस्ट्रिया के लुकास मीडलर और नील ओबरलीट्नर की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी को रोमांचक फाइनल में ७-६, ६-७, १०-२ से हराया। भांबरी का यह वर्ष २०२६ का पहला एटीपी टूर खिताब है। यह एटीपी टूर पर उनका करियर का कुल पांचवा युगल खिताब है। भांबरी ने इससे पहले २०२३ में मालोर्का में, २०२४ में गस्टाड और म्यूनिख में और २०२५ में एटीपी ५०० दुबई टूर्नामेंट में एटीपी २५० खिताब जीते थे। न्यूजीलैण्ड के अपने साथी माइकल वीनस के साथ एटीपी २५० जिनेवा ओपन में उपविजेता रहने के बाद ३४ वर्षीय भांबरी का एटीपी टूर्नामेंट में यह इस सत्र का दूसरा फाइनल था।

सिंधू के खिताब जीतने का सपना अन से यंग ने तोड़ा

फ्रेंच ओपन सुपर ७५०

पेरिस (एजेन्सियां)। भारत की स्टार बैडमिण्टन खिलाड़ी पीवी सिंधु फ्रेंच ओपन सुपर ७५० टूर्नामेंट के फाइनल में शानदार शुरुआत के बावजूद खिताब जीतने से चूक गयी। रविवार को खेले गए मुकाबले में सिंधु ने दुनिया की नंबर-एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की अन से यंग के खिलाफ पहला गेम जीतकर उलटफेर की उम्मीद जगायी लेकिन बाद के दोनों गेम गंवा दिए। अन से यंग ने १६-२१, २१-११, २१-१२ से जीत दर्ज कर लगातार तीसरी बार फ्रेंच ओपन का खिताब अपने नाम किया। इस हार के साथ अन से यंग के खिलाफ सिंधु का जीत का इंतजार और लंबा हो गया। दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक हुए ११ मुकाबलों में दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी ने सभी मैच जीते हैं। पीवी सिंधु के पास इस टूर्नामेंट के जरिए २०२६ का दूसरा खिताब जीतने का मौका था। उन्होंने जुलाई में जापान ओपन का खिताब अपने नाम किया था। सिंधु ने आक्रामक रणनीति अपनाते हुए अन से यंग को शुरुआत से ही चुनौती दी। उन्होंने नेट के करीब सटीक शाट खेले और शटल को जल्दी हिट करके दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी को लगातार मूव करने पर मजबूर किया। सिंधु की शानदार रणनीति का नतीजा रहा कि उन्होंने पहला गेम २१-१६ से जीत लिया। सिंधु के लिए पहला गेम जीतना खास उपलब्धि रही। उन्होंने २०२३ के बाद पहली बार अन से यंग के खिलाफ कोई गेम अपने नाम किया। इससे पहले दोनों खिलाड़ियों के बीच हुए १० मुकाबलों में सिंधु केवल एक गेम जीत पाई थीं। पहला गेम गंवाने के बाद अन से यंग ने अपनी रणनीति में बदलाव किया और रैलियों पर नियंत्रण बनाना शुरू किया। उन्होंने सिंधु के नेट प्ले को समझते हुए उनके छोटे शाट्स का फायदा उठाया और लगातार दबाव बनाया। दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच ३० शाट की लंबी रैली भी देखने को मिली। अन से यंग ने दूसरा गेम २१-१११ से जीतकर मुकाबले में वापसी की। सिंधु ने गेम के अंतिम चरण में तीन गेम पाइंट बचाये लेकिन आखिरकार एक शाट को सही तरीके से जज नहीं कर सकीं और गेम दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी के नाम रहा। तीसरे और निर्णायक गेम में सिंधु ने अच्छी शुरुआत की और एक समय ८-५ की बढ़त बना ली। उनकी कोर्ट पर मूवमेंट और आक्रामक खेल से मुकाबला रोमांचक बना रहा। हालांकि अन से यंग ने धीरे-धीरे मैच पर अपनी पकड़ मजबूत की और सिंधु को कोर्ट के पिछले हिस्से की ओर खेलने के लिए मजबूर किया। लंबी रैलियों के दौरान सिंधु का मूवमेंट कुछ धीमा पड़ने लगा, जिसका फायदा अन से यंग ने उठाया। दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी ने सटीक शाट्स और दमदार स्मैश के दम पर निर्णायक गेम २१-१२ से जीत लिया



ललित कांस्य से चूके, सिवाच, करणजीत और

विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप



अस्ताना (एजेन्सियां)। भारत के ललित को रविवार को कांस्य पदक के मुकाबले में एकतरफा हार का सामना करना पड़ा जिससे वह ग्रीको-रोमन विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में पदक जीतने का मौका गंवा बैठे जबकि उनके तीन अन्य साथी पहलवान भी पहले दौर में ही बाहर हो गये। कांस्य पदक के मुकाबले में ललित का सामना कजाखस्तान के इस्खार कुर्बायेव से था। कुर्बायेव ने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत दर्ज की। उन्होंने पहले चार अंक हासिल करने वाला दांव लगाया और फिर 'लिफ्ट' से मुकाबले को कुछ ही समय में समाप्त कर दिया। ललित ने अमेरिका के मैक्स एमिलियानो नोवरी को ७-० हराकर कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाई थी। संदीप तुलसी यादव एकमात्र भारतीय हैं जिन्होंने २०१३ में विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता था। अन्य तीन भारतीय पहलवानों के लिए भी दिन निराशाजनक रहा। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता नितेश सिवाच सहित तीन अन्य भारतीय पहलवान शुरुआती मुकाबलों से आगे नहीं बढ़ पाए। सिवाच को ९७ किलोग्राम वर्ग में जर्मनी के एंटोन व्यूएग से हार का सामना करना पड़ा। जर्मनी के खिलाड़ी ने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत हासिल की। करणजीत (७२ किलोग्राम) अपने क्वालीफाइंग मुकाबले में जापान के रिनतारो सोगबे से २-३ से हार गये। करनजीत अच्छी स्थिति में थे लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए जबकि सोगबे ने जवाबी हमला करके अंक बनाकर भारतीय खिलाड़ी को पीछे छोड़ दिया। जोगिंदर राठी को १३० किलोग्राम वर्ग में तुर्किए के पहलवान और मौजूदा यूरोपीय चैम्पियन रिजा कायाल्प से करारी हार का सामना करना पड़ा जिससे वह रेपेचेज मुकाबले में नहीं खेल पाए।

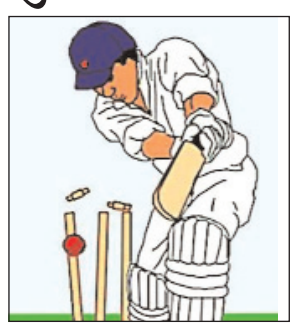
भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत २२ को

दुबई (एजेन्सियां)। भारत ए १९ नवम्बर से दोहा में शुरू होने वाले ५० ओवर के एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में २२ नवम्बर को अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान का सामना करेगा। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान टूर्नामेंट में अपनी ए टीमें उतारेंगे, जबकि नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और हांगकांग के अपनी सबसे मजबूत टीमें भेजने की संभावना है। भारत ए को पाकिस्तान ए, नेपाल और यूएई के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। श्रीलंका ए, बांग्लादेश ए, अफगानिस्तान ए और हांगकांग ग्रुप ए में हैं। भारतीय टीम २० नवम्बर को नेपाल के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद उसका सामना पाकिस्तान ए (२२ नवम्बर) और यूएई (२४ नवम्बर) से होगा। दोनों ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनायेंगी।

पड़िक्कल और सुदर्शन ने भारत 'ए' को उबारा

अनौपचारिक टेस्ट

लिंकन (एजेन्सियां)। देवदत्त पडिक्कल और साई सुदर्शन ने जुझारू बल्लेबाजी करते हुए भारत ए को न्यूजीलैण्ड ए के खिलाफ रविवार को यहां चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट के दूसरे दिन शुरुआती झटकों से उबारा। पहली पारी में ११३ रन पर आउट होने वाली भारतीय टीम ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दूसरी पारी में दो विकेट पर १०६ रन बना लिए हैं। इससे पहले न्यूजीलैण्ड ए ने अपनी पहली पारी में ३१७ रन बनाकर २०४ रन की बढ़त हासिल की थी। इस तरह से भारतीय टीम अभी उससे ९८ रन पीछे है। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (पांच) और केएल राहुल (चार) एक बार फिर फ्लाप रहे जिससे भारतीय टीम दूसरी पारी में १० रन पर दो विकेट गंवाने से संकट में पड़ गयी। इसके बाद



पडिक्कल (८९ गेंदों पर नाबाद ५६ रन) और सुदर्शन (१०४ गेंदों पर नाबाद ३९ रन) ने मोर्चा संभाल और संभल कर खेलते हुए तीसरे विकेट के लिए ९६ रन की अटूट साझेदारी करके टीम को संकट से उबारा। इस साझेदारी में पडिक्कल अधिक आक्रमक रहे। उन्होंने अभी तक अपनी पारी में नौ चौके लगाये हैं जबकि सुदर्शन ने पांच चौके जड़े हैं। पडिक्कल ने पहली पारी में भी ७७ गेंद पर ३२ रन बनाये थे और तब उन्होंने लगभग दो घंटे क्रीज पर बिताये थे। भारत का दारोमदार पडिक्कल और सुदर्शन पर ही टिका है। यह दोनों अपनी साझेदारी को मजबूत करने की कोशिश करेंगे जिससे कि भारतीय टीम न्यूजीलैण्ड ए के सामने एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रख सके। भारतीय टीम कप्तान ध्रुव जुरेल, यश राठौड़ और वाशिंगटन सुंदर से अच्छे योगदान की उम्मीद करेगी। न्यूजीलैण्ड ए ने सुबह अपनी पहली पारी तीन विकेट पर १३५ रन से आगे बढ़ाई और उसकी टीम ८९.३ ओवर में ३१७ रन पर आउट हो गयी। मेजबान टीम के कप्तान रीस मारियू ने धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी करते हुए १३७ गेंदों पर ७६ रन जबकि डीन फाक्सक्राफ्ट ने ५१ रन बनाये। सलामी बल्लेबाज कर्टिस हीफी (४४), क्रिस्टियन क्लार्क (४२) और विकेटकीपर मिशेल हे (२४) ने भी उपयोगी योगदान दिया।

केरल ब्लास्टर्स और मुंबई सिटी एफसी ने गोलरहित ड्रॉ खेला

कोच्चि। केरल ब्लास्टर्स एफसी और मुंबई सिटी एफसी के बीच रविवार को यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेला गया इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल टूर्नामेंट का मुकाबला गोलरहित ड्रॉ पर समाप्त हुआ। मेजबान केरल ब्लास्टर्स की टीम नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के खिलाफ 1-4 की हार के बाद वापसी करने के इरादे से मैदान पर उतरी थी जबकि मुंबई सिटी एफसी ने पंजाब एफसी के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलने के बाद इस मुकाबले में हिस्सा लिया। मैच में दोनों टीम को गोल करने के कई मौके मिले लेकिन कोई भी टीम उन्हें भुनाने में सफल नहीं रही। मुंबई सिटी के गोलकीपर अमरिंदर सिंह ने छह गज के क्षेत्र से पीएन नौफल के शॉट पर शानदार रिफ्लेक्स बचाव करके केरल ब्लास्टर्स को बढ़त बनाने से रोक दिया।

राष्ट्रमंडल कबड्डी चैंपियनशिप-भारतीय महिला और पुरुष टीम जीतीं

अहमदाबाद। भारत ने राष्ट्रमंडल कबड्डी चैंपियनशिप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए रविवार को महिला वर्ग में युगांडा को 41-18 से और पुरुष वर्ग में मलेशिया को 37-23 से हराया। महिला वर्ग के मुकाबले में भारतीय टीम ने युगांडा को 23 अंकों के अंतर से हराया। कप्तान निधि शर्मा ने नौ अंक जुटाकर टीम की अगुवाई की, जबकि साक्षी ने आठ और अनु ने सात अंक का योगदान दिया। भारत ने इस मुकाबले में 25 रेड अंक, 11 टैकल अंक और ऑलआउट से चार अंक हासिल किए। पुरुष वर्ग में भारत ने मलेशिया को 14 अंकों से हराकर 37-23 से जीत दर्ज की। नीरज नरवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार बोनस अंक सहित कुल 13 अंक जुटाए। भरत ने छह रेड अंक, आदित्य शिंदे ने पांच और नवीन कुमार ने तीन रेड अंक हासिल किए। इससे पहले कनाडा ने ऑस्ट्रेलिया को 74-28 से करारी शिकस्त देकर ग्रुप बी अंक तालिका में अपना खाता खोला। कनाडा टूर्नामेंट में एक मैच में 70 से अधिक अंक हासिल करने वाली पहली पुरुष टीम बन गई। कनाडा के लिए अनमोल ठाकुर और मनप्रीत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमश: 18 और 15 अंक जुटाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से दिवजोत सिंह ने 11 अंक हासिल किए। दिन के पहले मुकाबले में एकतरफा जीत के बाद श्रीलंका और युगांडा के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। श्रीलंका ने शानदार वापसी करते हुए युगांडा पर 36-34 से रोमांचक जीत दर्ज की। इसके साथ ही श्रीलंका ने लगातार तीसरी जीत के साथ अपना अजेय अभियान जारी रखा। चतुरंगा ने 11 अंक जुटाए, जबकि युगांडा के डगलस मुलालिरा ने आठ अंक हासिल किए। दिन के तीसरे मुकाबले में इंग्लैंड ने नाइजीरिया पर 68-18 से आसान जीत दर्ज की। इंग्लैंड ने ऑलआउट से 10 अंक हासिल किए और नाइजीरिया को मुकाबले में वापसी का कोई मौका नहीं दिया। महिला वर्ग में नाइजीरिया ने टूर्नामेंट में अपनी पहली ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए सिंगापुर को 43-20 से हराया। यह सिंगापुर की महिला टीम की लगातार तीसरी हार थी। वहीं श्रीलंका की महिला टीम ने इंग्लैंड को 65-16 से रौंद दिया।

पोर्नानोंग ने चौथी बार जीता इंडिया ओपन खिताब, तीन भारतीय गोल्फर शीर्ष-10 में रहीं

गुरुग्राम। थाईलैंड की गोल्फर पोर्नानोंग फाटलम ने रविवार को यहां भारत की वाणी कपूर की चुनौती से पार पाते हुए चौथी बार महिला इंडियन ओपन का खिताब अपने नाम किया। एलपीजीए की अनुभवी खिलाड़ी पोर्नानोंग ने 2008, 2009 और 2012 में खिताब जीते थे। अब उन्होंने 'गैरी प्लेयर कोर्स पर शानदार प्रदर्शन करते हुए इस क्रम को पूरा किया। उन्होंने कुल 11 अंडर पार 277 का स्कोर बनाया। थाई गोल्फर ने अंतिम दौर में बिना कोई बोगी किए सात अंडर पार 65 का शानदार स्कोर बनाया और खिताब जीत लिया। इस प्रतियोगिता में तीन भारतीय गोल्फर शीर्ष-10 में जगह बनाने में सफल रहीं। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता प्रणवी उर्स ने खिताब की दौड़ में आगे बढ़ने के संकेत दिए लेकिन अंतिम दिन मुकाबला मुख्य रूप से पोर्नानोंग और वाणी के बीच ही रहा। वाणी ने चार दौर में सात अंडर पार 281 का स्कोर बनाया। गत चैंपियन शैनन टैन ने चार अंडर पार 284 (68, 77, 67, 72) के स्कोर के साथ अकेले तीसरा स्थान हासिल किया। उनके बाद चेक गणराज्य की सारा कौस्कोवा और प्रणवी उर्स संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर रहीं। दोनों ने तीन अंडर पार 285 का स्कोर बनाया। लीडरबोर्ड के शीर्ष-10 में तीन भारतीय गोल्फरों ने जगह बनाई। त्वेसा मलिक एक अंडर पार 287 के कुल स्कोर के साथ संयुक्त सातवें स्थान पर रहीं।

भूपति, सानिया ने भरा नामांकन, पेस दौड़ में नहीं

एआईटीए चुनाव

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। भारतीय टेनिस के दिग्गज महेश भूपति और सानिया मिर्जा ने अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) के असाधारण योग्यता वाले खिलाड़ियों के चुनावों के लिए नामांकन दाखिल किये हैं और इस तरह दोनों ने आम सभा और कार्यकारी समिति में प्रतिनिधित्व हासिल करने के लिए दावेदारी पेश की है। देश के सबसे सफल टेनिस खिलाड़ियों में शामिल लिएंडर पेस ने हालांकि सात नवम्बर को होने वाले चुनावों के लिए आश्चर्यजनक रूप से नामांकन दाखिल नहीं किया। चालीस खिलाड़ियों की सूची में टियर-वन में शामिल एकमात्र खिलाड़ी पेस का नामांकन सूची में नहीं होने का मतलब है कि अब वह एआईटीए अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। पेस की अगुवाई वाले बंगाल टेनिस संघ (बीटीए) ने सार्वजनिक रूप से उन्हें एआईटीए अध्यक्ष पद का उम्मीदवार बनाने का समर्थन किया था। हालांकि अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के लिए पेस के लिए असाधारण योग्यता वाले खिलाड़ियों के चुनावों में जीत हासिल करना जरूरी था क्योंकि वह अब भी राज्य प्रतिनिधि के रूप में चुनाव लड़ने के पात्र नहीं हैं। पेस २७ नवम्बर को होने वाले एआईटीए चुनावों में बंगाल के प्रतिनिधि के रूप में हिस्सा ले सकते हैं लेकिन राष्ट्रीय खेल



प्रशासन अधिनियम (एनएसजी) और उसके नियमों के तहत अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ सकते। राष्ट्रीय महासंघ में किसी पद के लिए चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार का राज्य संघ में कम से कम एक कार्यकाल तक पदाधिकारी रहना जरूरी है। भूपति ने कहा मेरा मानना है कि प्रत्येक महासंघ में ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत है जिन्होंने उच्चतम स्तर पर खेला हो और जो खेल में बदलाव लाने में मदद कर सकें। बैडमिण्टन में गोपी (पुलेला गोपीचंद) ने जो किया है वह इसका शानदार उदाहरण है। उन्होंने इस खेल को पूरी तरह बदलने में अहम भूमिका निभाई है। नामांकन सूची के अनुसार भूपति और सानिया के अलावा छह अन्य पूर्व खिलाड़ियों ने भी अपनी दावेदारी पेशकी है जिसमें अंकिता भांबरी, मौजूदा डेविसकप कोच आशुतोष सिंह, गौरव नाटेकर, जानकी कृष्णमूर्ति, शालिनी ठाकुर चावला और मौजूदा बिली जीन किंग कप कप्तान विशाल उप्पल शामिल हैं। कार्यकारी समिति के लिए पांच उम्मीदवारोंने नामांकन दाखिल किए हैं। इनमें भूपति, सानिया, अंकिता, जानकी और उप्पल शामिल हैं। एआईटीए के संशोधित संविधान के तहत महासभा में असाधारण योग्यता वाले खिलाड़ियों की श्रेणी के चार प्रतिनिधियों (दो पुरुष और दो महिला) तथा १५ सदस्यीय कार्यकारी समिति में दो प्रतिनिधियों (एक पुरुष और एक महिला) के लिए प्रावधान है। असाधारण योग्यता वाले खिलाड़ियों की व्यवस्था नये खेल प्रशासन नियमों के तहत राष्ट्रीय खेल महासंघों के संचालन में खिलाड़ियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है। भूपति युगल में दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रहे हैं और उन्होंने कई ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं। वह अंतरराष्ट्रीय टेनिस सर्किट में भारत के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक रहे हैं।